मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी भजन लिरिक्स

मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

तर्ज – सागर किनारे।

सिर पे मुकुट और कानों में कुंडल,
माथे पे हीरा आंखें ये चंचल,
अधरों पे लगती मुरली है प्यारी,
मनमोहनी हैं छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

पुष्पों की माला से बागा सजा है,
उस पे सुगंधित इत्र लगा है,
महक रहे हो श्याम बिहारी,
मनमोहनी हैं छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

दरबार तेरे जो दर्शन को आए,
भक्त जो देखे तुझे देखता ही जाए,
'आकाश' गूंजे जय कार थारी,
मनमोहनी हैं छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

Singer & Lyricist – Aakash Sharma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com